Sri – Om
VEDIC MATHEMATICS AWARENESS YEAR

E-Newsletter Issue no 139 dated 21-03-2015
For previous issues and further more information visit at www.vedicganita.org

ॐ । गायत्री छन्द । सरसवती मंत्र। महेश्वर सूत्र। गणित सूत्र

Om Gyatri Chand, Saraswati Mantra, Maheshwar Sutra, Ganita Sutras

वैदिक गणित (सूर्य रश्मियो का गणित)	Vedic Mathematics (Sunlight format Mathematics)
I. देवनागरी वर्णमाला II. जड़ भरत III. वर्णो की उत्पति IV पंचीकरण	I. Devnagri alphabet II. Jad Bharat III. Creation of letters IV 5 x 5 format
अंक पांच व पच्चीस तत्व की व्यवस्था पांच इन्द्रिया व पंचभूत की व्यवस्था को सुनिश्चित आधार प्रदान करते है।	Number 5 and 25 elements organization provides base format for the organization of Panch Mahabhut and five senses.
एक से नौ अंक के श्रंखला मे पांच का अंक मध्य स्थिति वाला है। इस मध्य से एक से नौ अंको वाली श्रंखला, दो बाजू वाली है। ये रेखा से धरातल वाली व्यवस्था मे परिवर्तित हो जाती है। ये परिवर्तित व्यवस्था ५ x ५ धरातल वाली व्यवस्था निर्धारित होती है।	Amongst the range of numbers 1 to 9, number five is of middle placement. This middle placement makes this range of two parts (limbs). This way the linear format transforms into spatial format. this settles spatial format of 5 x 5 value.
इस आधार पर एक बाजू वाली नौ स्वरो की श्रंखला वा उसके मध्य से परिवर्तित व्यवस्था ५ x ५ = २५ वर्ग व्यंजन आधार पाते है।	This way linear format of 9 vowels, at its middle placement, leads to a transformation for the format of 5 x 5 = 25 varga consonants.
ये ५ x ५ = २५ वर्गो के केन्द्र बिन्दु ४ x ४ = १६ वर्गो की आंतरिक	This arrangement of 5 x 5 vargas / squares / grids, with coordination of their centers leads to 4 x 4 vargas

व्यवस्था बनाते है तथा इस आधार पर बाकी के १६ वर्ण व्यवस्थित होते है।

यहा पर ये भी जानने योग्य है कि (1, 2, 3, 4, 5) अंको की श्रंखला १६ गुणो वाली व्यवस्था बनाती है और प्रत्येक गुण पांच अंक के मूल्यो वाला ठहरता है।

ये तालिका इस प्रकार है।

१	5= 5
२	5 = 1 + 4
३	5 = 4 + 1
४	5 = 2 + 3
५	5 = 3 + 2
६	5 = 2 + 1 + 2
७	5 = 2 + 2 + 1
८	5 = 1 + 2 + 2
९	5 = 1 + 1 + 3
१०	5 = 1 + 3 + 1
११	5 = 3 + 1 + 1
१२	5 = 2 + 1 + 1 + 1
१३	5 = 1 + 2 + 1 + 1
१४	5 = 1 + 1+ 2 + 1
१५	5 = 1 + 1 + 1 + 2
१६	5= 1 + 1 + 1 + 1 + 1

पंचभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु वा आकाश) क्रमश ५, ४, ३, २, १ के क्रम से गुणित क्रम अपनाते है। ये क्रम आरोही व अवरोही क्रम से जब पंचीकरण व्यवस्था मे प्रवृति वा निवृति स्वरूप मे परिवर्तित व्यवस्था मे आती है तो पंचीकरण गुणो की व्यवस्था निम्न प्रकार की हो जाती है।

१	२	३	४	५
२	३	४	५	६
३	४	५	६	७

arrangement of internal organization.

Here it also would be relevant to note that this range of numbers (1, 2, 3, 4, 5) makes out a range of 16 values setup. Each value is parallel to the value of number five.
Its tabulation is as under

1	5= 5
2	5 = 1 + 4
3	5 = 4 + 1
4	5 = 2 + 3
5	5 = 3 + 2
6	5 = 2 + 1 + 2
7	5 = 2 + 2 + 1
8	5 = 1 + 2 + 2
9	5 = 1 + 1 + 3
10	5 = 1 + 3 + 1
11	5 = 3 + 1 + 1
12	5 = 2 + 1 + 1 + 1
13	5 = 1 + 2 + 1 + 1
14	5 = 1 + 1+ 2 + 1
15	5 = 1 + 1 + 1 + 2
16	5= 1 + 1 + 1 + 1 + 1

Five elements range (Earth, Water, Fire, Air, Space) accept values 5, 4, 3, 2, 1. When these values arrangements are in ascending order, as well as in descending order, these structure out 5 x 5 matrix / grid format of following values set up.

1	2	3	4	5
2	3	4	5	6

४ ५ ६ ७ ८ ५ ६ ७ ८ ९ यहा ये ध्यान देने योग्य बात है कि एक से नौ अंको की श्रंखला '१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९' मध्य स्थिति वाली अंक संख्या पांच से जब दो भुजा वाली धरातल व्यवस्था मे परिवर्तित होती है तो भी उपरोक्त पंचीकरण के मूल्यो की व्यवस्था को बांधती है। जैसा कि निम्नलिखित स्वरूप से प्रकट होता है। १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ यहा ये भी जानेने योग्य है कि १ = १ x १ व ९ = ३ x ३ अन्तिम बिन्दुओ के मूल्य वर्गमूल वाली है। अतः दूसरी ओर के दो बाजूओ का स्वरूप इस प्रकार है 1 2 3 4 5 4 3 2 1 ये नो अंको की श्रंखला का योग है 5 x 5 1+ 2+ 3+ 4+ 5+ 4+ 3+ 2+ 1 = 25 ये व्यवस्था हमे आगे एक अक्षर ब्रह्म् ॐ से त्ररी वेद विद्या 'ओउम्' से हम जान पायेगे कि ऋक् विधान बनाता है '१, १' =३ वा साम विधान बनाता है '३,३' = ५. *	3 4 5 6 7 4 5 6 7 8 5 6 7 8 9 Here It would be relevant to note that the transformation of linear format into spatial format with bend at the middle, same constitute a frame for 5 x 5 organization. As it is indicated hereunder. 1 2 3 4 5 6 7 8 9 Here It also would be relevant to note that 1 = 1 x 1 and 9 = 3 x 3 are the square formats for the end values. And the other feature of this pair of limbs is as under 12 3 4 5 4 3 2 1 The summation value of these 9 numbers comes to be 5 x 5 1+ 2+ 3+ 4+ 5+ 4+ 3+ 2+ 1 = 25 Ahead we shall be knowing that sole syllable Om (ॐ) leads to three fold Vedas (Rigved, Yajurved and Samved) being of values (ओउम्). Rik leads us to (1, 1) = 3 and Sam takes us to (3, 3) = 5. *
…क्रमश २१-०३-२०१५ डा. सन्त कुमार कपूर	…to be continued 21-03-2015 Dr. Sant Kumar Kapoor